संघर्ष! एकता!! प्रगति!!!

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टुडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन

(All India D S O)

बिहार राज्य कमिटी

मेनका मार्केट, नाला रोड, पटना-4, फोनः 2721912, E-mail: aidsobihar@gmail.com

पटना, 21 जूनः

मैट्रिक और इंटर के परीक्षा-फल में हुई भारी पैमाने पर धांधली व भ्रष्टाचार के विरोध में तथा उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन का अधिकार की मांग पर आज ऑल इंडिया डीएसओ ने मुख्यमंत्री के समक्ष रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन गांधी मैदान स्थिन भगत सिंह चौक से निकाला गया, लेकिन पुलिस बल उसे आगे नहीं दे रही थी। फिर भी धक्कामुक्की करते हुए कार्यकर्ता नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मूर्ति तक पहुंच गये। मगर यहां से पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं को आगे नहीं बढ़ने दिया। यहीं पर एक सभा आयोजित की गयी।

राज्य के विभिन्न जिलों से आये छात्र हाथों में झंडे-बैनर के साथ अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां लिये हुए थे। तख्तियों पर 'मैट्रिक एवं इंटर के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी करने वाले सभी दोषियों को गिरफ्तार कर दृष्टांतमूलक सजा दो,' 'गिरफ्तार टॉपर माफियाओं पर स्पीडी ट्रायल चलाकर उन्हें सख्त सजा दो', 'परीक्षा केन्द्र पर एवं उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाओ', 'उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन का अधिकार दो' 'प्राथमिक स्तर से पास-फेल प्रथा लागू करो' इत्यादि मांगें लिखी हुई थी।

छात्रों को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया डीएसओ बिहार राज्याध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि बिहार में 'पैसा दो शिक्षा लो' यानी शिक्षा के बाजारीकरण के साथ-साथ 'पैसा दो मनचाहा रिजल्ट लो' का धंधा जोरों पर चल रहा है। राज्य में ऐसे सैकड़ों कॉलेज हैं, जहां पैसे पर डिग्री देने का काम चल रहा है। सरकार के नजदीकी रसूख वाले लोगों द्वारा राज्य भर में इस तरह का रैकेट संचालित हो रहा है। लेकिन सरकार अपने राजनीति लाभ के लिए इस पर सख्ती से रोक नहीं लगा रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन और परीक्षा-फल प्रकाशन में काफी गड़बड़ी व्याप्त है। प्रश्न-पत्र लीक होना आम बात हो गयी है। विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री बेचने की दुकान बनकर रह गये हैं।

सभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया डीएसओ बिहार राज्य सचिव रोशन कुमार रवि ने कहा कि मैट्रिक और इंटर के परीक्षा-फल में हुई भारी धांधली व भ्रष्टाचार से बिहार की जनता भारत में ही नहीं, विदेशों में भी शर्मिन्दा हो रही है। शिक्षा जगत में हर साल उजागर हो रही इस तरह की चौकाने वाली नयी-नयी वारदातें राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का '74 के प्रख्यात छात्र आंदोलन से जुड़ाव रहा है। लेकिन आज उन्हीं के शासन में बिहार की शिक्षा बदहाली के आंसू बहा रही है। सरकार

की ही जांच रिपोर्ट बताती है कि शिक्षा की गुणवत्ता में काफी कमी आयी है। परीक्षा संचालन और परीक्षा फल में हो रहे घोटाले और गड़बड़ियों के तार सत्ता के गलियारे में जुड़े हुए पाये जा रहे हैं। राज्य में गरीब-निम्न मध्यमवर्गीय अभिभावकों और लाखों बच्चों के सपने तार-तार हो रहे हैं।

सभा को राज्य सचिव मंडल सदस्य सरोज कुमार सुमन, विजय कुमार, पुष्पा, सुमनलता मौर्य; राज्य कमिटी सदस्य शिव कुमार, श्यामदेव कुमार, राजू कुमार तथा निकोलाई शर्मा इत्यादि ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने राज्य की बदहाल परीक्षा व्यवस्था व उसमें हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को आगे आकर आंदोलन तेज करने की अपील की ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके।